Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)
Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.
PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.
a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519
ISBN: 978-1-5313-1308-1

पतरस

क दूसरी पत्र

१ १ईसू मसीह क सेवक अउर प्रेरित समौन
पतरस कइँती स,
उ लोगन क नाउँ जेनका परमेस्सर स हमरे
जइसा बिस्सास प्राप्त अहइ। काहेकि हमार
अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह निआव क कर्ता
अहइ।
२ तू परमेस्सर अउर हमरे पर्भू ईसू क जान चुका
अहा इ खातिर तू सबन्क परमेस्सर क कृपा अउर
अनुग्रह बहुतइ जियादा मिली होई।

परमेस्सर हमका सब कछू दिहे बाटइ

३ अपने जिन्नगी क खातिर अउर परमेस्सर क
सेवा खातिर जउन कछू हमका चाही तउन सब
हमका अपने दिव्य सक्ती अउर अच्छाई दुआरा
उ हमका दिहे अहइ। काहेकि हम पचे ओका
जानित ह जउन अपने धार्मिकता अउर महिमा
क कारण स हमका बोलाएस हवै। ४ एनहिन क
दुआरा उ हमका अइसे महान अउर अमूल्य बरदान
दिहे अहइ, जउन देइ क खातिर उ प्रतिग्या करे
रहा। जेहसे तू पचे परमेस्सर क दिव्य प्रकृति क
साझीदार अउर भ्रस्टाचार स बच सका, जउन
लोगन क बुरी इच्छन क कारण स इ संसार मँ बना
अहइ।
५ एही खातिर अपने बिस्सास मँ नीक गुणन क
नीक गुणन मँ गियान क, ६ गियान मँ आत्म-संयम
क, आत्म-संयम मँ धीरज क, धीरज मँ परमेस्सर
क भक्ती क, ७ ईसू क भक्ती मँ भाइयन अउर
बहिनियन क, भाइयन अउर बहिनियन मँ पिरेम
क उदारता क संग बढ़ावत चला। ८ काहेकि अगर
इ गुण तू पचन मँ अहइँ अउर ओनकर विकास
होत बाटइ तउन उ पचे तोह सबन क कर्मसील
अउर सफल बनाइ देइही अउर ओनसे तू पचे क
हमरे पर्भू ईसू मसीह क पूरा गियान मिल जाई।
९ मुला जेहमाँ, ई गुण नाहीं बाटेन, ओहमाँ दूर-
दिस्टी नाही बा, उ आँधर अहइ। अउर उ ई भूल
गवा अहइ कि ओकरे पाछे क पापेन क धोइ दीन्ह
गवा अहइ।
१० एही बरे भाइयो तथा बहिनियो, ई दिखावइ
खातिर खूब तइयार रहा कि वास्तव मँ तू पचन्क
परमेस्सर दुआरा बोलावा गवा अहइ अउर चुना
गवा अहइ काहेकि अगर तू पचे इ बातन क करत
अहा तउ न कबहूँ ठोकर खाब्या अउर न गिरब्या।
११ अउर ई तरह स हमरे पर्भू अउर उद्धारकर्त्ता ईसू
मसीह क अनन्त राज्ज मँ तू पचन्क महान प्रवेस
दइके परमेस्सर आपन उदारता देखाई। उ राज्ज
हमेसा हमेसा चलत रही।
१२ इहइ कारण स मइँ तू पचन क, यद्यपि तू पचे
ई जानत ही अहा कि जउन सत्य तोहका मिला
अहइ, ओह पइ डटे रहा, मइँ ई बातन क सदा याद
करावत रहब। १३ जब तक मइँ काया मँ रहबइ तू
सबन्क याद देवाइके सचेत करत इ उचित जानित
हउँ। १४ काहेकि मइँ इ जानित हउँ कि मोका अपने
इ काया क जल्दी ही छौड़इ क होई जइसेन हमरे
पर्भू ईसू मसीह मोका देखाएस ह। १५ एही बरे मइँ
आपन पूरा प्रयत्न करबइ कि मोरे मरि जाइके
बाद भी तू पचे मोरे इ बातन क याद रख सका।

हम मसीह क महिमा क दर्सन किहत

१६ जब हम आपन पर्भू ईसू मसीह क सामरथ
क बारे मँ बताए अही अउर ओकरे अवाई क बारे
मँ भी कहे अही। तउ हम चालाकी स गढ़ी भइन
किस्सन क सहारा नाही लीन्ह काहेकि हम तउ
ओहकी महानता क खुदइ गवाहदार अही। १७ जब
परमपिता परमेस्सर स उ सम्मान अउर महिमा
पाइ लिहस तउ दिव्य उपस्थिति सही विसिस्ट
वाणी परगट भइ रही, "इ मोर पिआरा बेटवा
अहइ, मइँ एहसे प्रसन्न हउँ।" १८ हम आकास
स आई भइ इ वाणी सुने रहेन। तबहिं तउ हम
पवित्तर पर्वत पइ ओकरे साथेन रहेन।
१९ हमहूँ क भी नबियन क बचन क पुस्टी पइ
अउर जियादा आस्था होइ गइ। इ बात प धियान
दइके त पचे इ अच्छा करत अहा काहेकि इ तउ
एक प्रकास बाटइ जउन अँधियारे ठाँव मँ तबइ
तक चमकत रहत ह जब तलक पौ फाटत ह
अउर तोह सबन क हिरदइ मँ भोर क तारा उदय
होत ह। २० मुला सबसे बड़ी बात इ अहइ कि तू
पचन्क जान लेइ चाही कि पवित्तर सास्तरन क
कउनउ भविस्सबाणी नबियन क अपने बिचारन क
परिणाम न अहइ। २१ काहेकि कउनउ मनई जउन
कहइ चाहत ह ओकरे अनुसार भविस्सबाणी नाही
होत बल्कि पवित्तर आतिमा क प्रेरणा स मनई
परमेस्सर क बाणी बोलत ह।

झूठे उपदेसक लोग

२ १ जइसा भी रहा होइ उ संतान क बीच मँ
साइत झूठे नबियन देखाइ देइ लगत रहेन
बिल्कुल उहइ तरह झूठे उपदेसकन तू सबन्क

बीच मँ भी परगट होइही। उ घातक विचारन क
सुरुआत करिही अउर उ सुआमी क नकार देइही
जउन ओनका आजादी दिआए रहा। इ प्रकार
अइसा कइके उ जल्दी बिनास क न्यौतिहइँ।
२ बहोत लोगन ओनकइ अनैतिक भोग-विलास क
तरीका क पाछे चलिही ओनहिन क कारण स सत्य
क मार्ग स बदनाम होई। ३ लोभ क कारण स उ
बनावटी बातन स तोहसे पैसा कमइहइँ। ओनके
दंड परमेस्सर क दुआर बहोत पहिलेन स निर्धारित
कीन्ह जाइ चुका ह। ओनकर विनास तइयार अहइ
अउर ओनकर प्रतीच्छा करत बाटइ।

४ काहेकि परमेस्सर उ पाप करइवाले दूतन तक
क नाही छोड़ेस अउर ओनका पाताल लोक अंधेरे
कोठरियन मँ डाइ दिहिस कि उ निआव क दिन तक
उहइ पइ पड़ा रहइँ,

५ उ उ पुरान संसार क भी नाही छोड़ेस मुला
नूह क उ समइ रखवारी किहेस जब अधर्मियन क
संसार प जलप्रलय भेजी गइ रही। नूह ओन आठ
मनइयन मँ रहा जउन जलप्रलय क समइ बचा
रहेन। उ जउन उचित अहइ, ओकर उपदेस देत
रहा।

६ सदोम अउर अमोरा ह जइसेन नगरन क
बिनास क दण्ड दइके ओनकइ राखी बनाए दीन्ह
गवा रहा ताकि अधर्मियन क साथ जउन बाते
घटिहइँ, ओनके खातिर इ एक चेताउनी होइ।
७ परमात्मा लूत क बचाइ लिहेस जउन एक
अच्छा मनई रहा। उद्दण्ड मनइयन क अनैतिक
आचरण स दु:खी रहत रहा। ८ उ धर्मी पुरुस ओन
लोगन क बीच मँ रहत भवा रोजइ रोज जउन
देखत अउर सुनत रहा ओसे ओनके नेक आतिमा
तड़पत रही।

९ एहि प्रकार पर्भू जानत ह कि निआव करत
समइ धर्मात्मा मनइयन क कइसे बचावा जात
ह अउर दुस्ट लोगन क कउने तरह दण्ड देइ
क खातिर कइसे रखा जात ह। १० खासकर ओन
लोगन क बरे जउन आपन पाप स भरी भइ प्रकृति
स बुरे कामन क करत जिअत ही।

ओनकइ पापमय मन पर्भू क सत्ता क अवहेलना
करत ह। ई पचे उद्दण्ड अउर स्वेच्छा चारी अहइँ
इ महिमावान सरगदूतन क अपमानौ करइ स
नाही डेरात अहइँ। ११ जब कि इ सबइ सरगदूतन
जउन सक्ती अउर समरथ मँ एनसे बड़े अहइँ, पर्भू
क सामने ओन पइ कउनो निन्दापूर्ण दोख नाही
लगावत

१२ मुला इ पचे विचारहीन पसुवन क बराबर
अहइँ जउन आपन सहजवृती क अनुसार काम
करत ही। जेनकइ जनम एही बरे होत ह कि उ
पकड़े जाइँ अउर मार डाए जाइँ उ पचे ओन
विसयन क विरोध मँ बोलत हीं जेनके बारे मँ इ
सबइ अबोध अहँइ। जइसे पसु मार डावा जात
अहइँ, वइसेन एनहू क नस्ट कर दीन्ह जाइ।
१३ एनका बुराई क बदला बुराइन स दीन्ह जाई।
दिन क प्रकास मँ भोग-विलास करब एनका
भावत ह।

काहेकि उ पचे अपने छलपूर्ण करजरन क फल
भोगत ही। इ लज्जापूर्ण धब्बे अहइँ। जब इ पचे
तू पचन क साथ उत्सव मँ सामिल होत ही तउ
१४ इ कउनो अइसेन स्त्री क ताक मँ रहत ही
जेहिके साथ व्यभिचार कीन्ह जाइ सकइ। इ तरह
स एनकइ आँखी पाप करइ स बाज नाही अउतिन।
इ पचे ढुलमुल लोगन क पाप करइ क खातिर
फुसलाय लेत ही। इ लोगन क मनवा पूरी तरफ
स लालचा मँ अभ्यस्थ अहइँ। इ पचे अभिसाप क
लरिका अही।

१५ सीधा-सादा मारग छाँड़िके भटक गए
बाटेन। बओर क लरिका बिलाम क मार्ग प इ पचे
चलत अहइँ बिलाम ओकर रुचि गलत रस्ता क
फले मँ अहइ। १६ मुला ओकरे दोखन क खातिर
एक गदही जउन बोल नाही पावत रही, मनई क
बानी मँ बोलिके ओका डाँटिस फटकारिस अउर
उ नबियन क उन्मादी कामन क रोकिस।

१७ इ झूठे उपदेसक सूखे जल क सोता अहइँ
अउर अइसे जल रहित बादल अहइँ जेनका
तूफान उड़ाइ लइ जात ह। इ पचन क खातिर
गझिन अन्धेरी जगह इ काम क बरे निहचित
कीन्ह गइ अहइ। १८ इ पचे झूठे उपदेसकन
अरथहीन डीगन स उ लोगन को प्रलोगभित
कइ देत ही, जे बस अभी ही गलत जीवन
बितावइवालन लोगन स अलग आवत ही। १९ इ
झूठे उपदेसकन उनका छुटकारा क बचन देत ही,
काहेकि कउनो व्यक्ति जउन ओका जीत लेत ह,
उ ओनहिन क दास होइ जात ह।

२० एहि खातिर अगर इ हमरे पर्भू अउर
उद्धाकर्त्ता ईसू मसीह क जान लेइँ अउर संसार क
खोट स बच निकरइ क पाछे अगर ओहमाँ फिन
फँस जात ही तउ ओनकइ दसा पहिले स भी खराब
होइ जात ह। २१ एहसे तउ नीक भवा होत कि इ
उचित मार्ग क जानि न पउतेन बजाए एकरे कि
उ पचे इ पवित्तर आग्या स मुँह फेर लेतेन। २२ उ
पचेन क साथे तउ वइसेन घटना घटी जइसेन
मसला अहइ, "कुकुर अपने उल्टी क पास ही

लोटत ह।" *अउर "एक नहाई भइ सुअरी कीचड़ मँ लौटइ खातिर फिन लउट जात ह।"

ईसू फिन आई

३ १ पिआरे बन्धुअन, अब ई दूसर पत्र अहइ जउन मइँ तू पचन क लिखित हउँ। इ दुइनउँ पत्रन मँ लिखिके मइँ तू सबन क सच्चे सोच क जगावइँ क जतन कीन्ह ह। २ जेहिसे तू उ पवित्तर नबियन दुआरा पहिले कहे गए बचनन क याद करा अउर हमरे पर्भू अउर उद्धारकर्ता क आदेस क जउन तू सबन क प्रेरितन दुआरा तू पचन क दीन्ह गएन ह, धियान राखा।

३ सबसे पहिले तू पचन क इ जान लेइ क चाही कि आखिर दिनन मँ स्वेच्छाचारी जउन बुरी इच्छन क अनुसरण करत ही अउर उ पचे तोहरे लगे हँसी उड़ावत भए अइही। ४ अउर तू सबन स कइही, "का भवा ओकरे फिन आवइ क प्रतिग्या का? काहेकि हमरे पूर्वजन तउ चल बसेन। मुला जब स सृस्टि बनी ह, तइसेन हर बार चलत आवत अहइँ।"

५ मुला जब उ पचे इ आरोप करत ही तउ उ इ भूल जात ही कि परमेस्सर क वचनन क दुआरा आकास जुगन स विद्यमान अहइ अउर धरती जल प बनी बाटइ अउर जल प स्थिर बा। ६ अउर इ जल क कारण स उ जुग क संसार जल प्रलय स नस्ट होइ गवा। ७ मुला इ आसमान अउर पृथिवी जउन अबइ, उहइ आदेस स नस्ट होइ क खातिर सुरच्छित अहइँ। एनका उ दिना खातिर रखा जात ह जब अधर्मियन क निआव होई अउर उ पचे नस्ट कर दीन्ह जइही।

८ मुला पिआरे बन्धुओ, एक बात क जिन भुला, पर्भू क बरे एक हजार साले एक दिन क समान होत ह अउर एक दिन एक हजार बरस क बराबर होत ह। ९ पर्भू आपन प्रतिग्या पूरी करइ मँ देर नाही लगावत। जइसेन कछू मनई सोचत ही। बल्कि उ हमरे प्रति धीरज धरत ह काहेकि उ कउनो मनई क नस्ट नाही करइ चाहत ह, बल्कि उ तउ चाहत ह कि सभी मनई मनफिराव क तरफ बढ़इँ।

१० मुला पर्भू क दिन आई। एक दिना पर्भू चुप्पेचाप चोर सही अहइ। उ दिन एक भयंकर गर्जना क साथे आकास विलीन होइ जाई अउर आकास क नखत भसम होइके नस्ट होइ जइही अउर इ धरती पे रहइवालेन क करम उजागर होइ जइही। ११ काहेकि जब इ सब चीजन इ तरह स नस्ट होइ जाइही तउ तू सोचा कि तू लोगन क कउनउ तरह क जीवन जियइ क चाही। तोहे सबन्क पवित्तर जीवन जियइ क चाही, पवित्तर जीवन जउन परमेस्सर क अर्पित अहइ अउर सब तरह क उत्तम करम करइ क चाही। १२ अउर तोहे सबन्क परमेस्सर क दिन क बाट जोहइ क चाही, अउर ओके जल्दी आउब क बरे काम करा। उ दिन अउतइमान आकास लपटन मँ जल क नस्ट होइ जाई आकास क नखत ओकरे ताप सेही पिघल उठिही। १३ मुला हम पचे परमेस्सर क वचन क अनुसार एक नवा आकास अउर नवी धरती की बाट जोह रहा अहइ जहाँ धार्मिकता रहत ही बाटइ।

१४ इ पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू एन बातन क बाट जोहत अहा, पूरा प्रयत्न करा कि पर्भू दुआरा सान्ति मँ निर्दोख अउर कलंक रहित पावा जा। १५ हमारे पर्भू क धीरज क उद्धार समझा। जइसेन कि हमरे पिआरे बन्धु पौलुस परमेस्सर दुआरा दीन्ह गए विवेक क अनुसार पचन्क लिखेन ह। १६ अपने दूसर सभी पत्रन क समान उ पत्र मँ भी इ सब बातन क बिसय मँ कहेउँ ह। ओन पत्रन मँ कउनो कउनो बात अइसी अहइ जेकर समझब मुस्किल बा। अग्यानी अउर अस्थिर लोग ओकरे अरथ क अनर्थ करि डावत ही। दूसरे पवित्तर सास्तरन क साथ भी अइसेन ही करत ही। इ तरह उ अपनेन पैर मँ कुलहाड़ी मारत अहइँ।

१७ पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू पचन क इ बातन पहिलेन स पता अहइँ। इ खातिर सावधान रहा अउर व्यवस्थाविहीन मनइयन क दुआरा भटकाए जाए पइ अपने क सुरच्छित स्थान स न डिगवा। १८ बल्कि हमरे पर्भू तथा उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनुग्रह अउर ग्यान मँ तू पचे आगेन बढ़त जा। अबइ अउर अनंत समइ तक तू ओकर महिमा गावत रहा।

*२ :२२ उद्धृत नीति. २६ :११